निवास के आधार पर परिवार के प्रकार (Type of Family based on Residence) —

(1) मातृस्थानीय परिवार (Matrilocal Family) —

निवास के आधार पर हम यह पाते हैं कि मातृसत्तात्मक परिवार में विवाह के बाद पुरुष अपनी पत्नी के घर में निवास करता है। पर यह हमेशा के लिए नहीं होता है। मातृस्थानीय परिवार स्वाभाविक रूप से मातृसत्तात्मक होता है।

(2) पितृस्थानीय परिवार (Patrilocal Family) —

पितृस्थानीय परिवार के बारे में बहुत सारे लेखकों ने लिख रखा है कि जब विवाह के बाद पत्नी अपने पति के घर निवास करती है तो उसे पितृस्थानीय परिवार कहा जाता है। जॉनसन (Johnson, 1933 : 153) के अनुसार यह कहना सरासर गलत है। पितृस्थानीय का सीधा अर्थ यह होता है कि विवाह के बाद पत्नी अपने पति के पुराने घर के आसपास या उसके समुदाय में एक नयी सदस्या के रूप में निवास करती है। पति के माता-पिता के साथ उसका रहना आवश्यक नहीं है। चूँकि नये परिवार के निवास की परम्परा पुरुष की ओर से निर्धारित होती है, इसीलिए पितृस्थानीय परिवार पितृसत्तात्मक परिवार भी होता है। भारत में हिन्दू और मुसलमानों के अलावा भील, खड़िया जनजातियों में साधारणतया इसी प्रकार के परिवार पाया जाता है।

यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि मातृस्थानीय और पितृस्थानीय परिवार की चर्चा सबसे पहले जार्ज पी. मरडॉक (George P. Murdock) ने की थी। उन्होंने बताया है कि कुछ जनजातियों के बीच पुरुषों को कुछ दिनों के लिए अपनी नई विवाहित पत्नी के घर काम करना पड़ता

है। ऐसा इसीलिए किया जाता है कि लड़की को अपने घर से दूर जाने पर उसके माता-पिता को आर्थिक घाटा उठाना पड़ता है। उसके भरपाई के लिए पुरुष को अपने ससुराल में कुछ दिनों के लिए काम करना पड़ता है। फिर पति अपने पत्नी के साथ अपने समुदाय में निवास करने के लिए वापस आ जाता है। इस प्रथा को मरडॉक ने मातृ-पितृ स्थानीय (Matri-Patrilocal) पद्धति कहा है।

(3) नव-स्थानीय परिवार (Neolocal Family)

इस प्रकार का परिवार आधुनिक समाज की देन है। ऐसे परिवारों में पति-पत्नी स्वतंत्र रूप से अपने-अपने माता-पिता से अलग निवास स्थापित करते हैं। आज नगरों में ऐसे परिवार का काफी विस्तार हो रहा है। पाश्चात समाज की तो यह एक प्रमुख विशेषता ही है।

(4) मातुल स्थानीय परिवार (Avunculocal-Family) —

इस प्रथा के अंतर्गत विवाहित लड़का अपनी पत्नी के साथ अपने मामा के घर या समुदाय में निवास करने लगता है। वह अपने माता-पिता से दूर हो जाता है। मेलानेशिया (Melanesia) की कुछ आदिमजातियों के बीच इस प्रथा का काफी प्रचलन है।